हनुमान
पुर्जे०

श्रीगणेशायनमः॥ ॐ अस्यश्री अनंतघोरप्रलयज्वालाग्निरुद्रस्यवीरह
नुमंत असाध्यसाधन अघोरघोरसाधयेत्॥ प्रयोगः॥ अस्यमूलमंत्र
स्य ईश्वर ऋषिः नानाविधानछन्दांसि श्रीरामलक्ष्मणाहनुमा
न्देवता सौ वीजं अंजनीसूनुरितिशक्तिः॥ वायुपुत्र इति कीलकं
श्रीहनुमान्प्रसादसिद्ध्यर्थे ॐ मनुवातासिद्ध्यर्थे नवरवराड
पधिवीवश्यार्थं मम अंडे सिद्धितत्त्वपदसिद्ध्यर्थे जपेविनि
योगः॥ ॐ अंजनीसुताय नमः अंगुष्ठाभ्यां नमः ॐ रामदू
ताय तर्जनीभ्यां नमः ॐ वायुपुत्राय मध्यमाभ्यां नमः ॐ
रुद्रमूर्तये अनामिकाभ्यां नमः ॐ अग्निगर्भाय कनिष्ठिकाभ्यां

१

हनुमंत०
दुर्ग०

विघानि वारणाय अग्नि दीप्ताय अर्पवणावेदसि ऊर्ध्वस्थि
र कराल निराहार वायुवेगमनोवेग श्रीराम तारक परब्रह्म
विश्वरूप निरंजन लं त्मणा प्राणा प्रतिष्ठानन्द करस्य लज
लाग्निगर्भ [illegible] ममम नो भेदि भेदि सर्व शत्रु छेदि छेदि म
म वैरी खादय खादय सं जीवनं पर्वतोत्पाटनाय डाकिनी
शाकिनी विध्वंसनी सुग्रीव संधि कारणाय निष्कलिंकित
कुमार ब्रह्मचारी दिगंबर दुष्ट सर्व पाप [illegible] ग्रह कुमारग्र
हस्त वं छेदय छेदय भेदय भेदय भिंदि भिंदि स्वादय स्वादय
[illegible] ताडय ताडय मारय मारय शोषय शोषय हरय हरय

२

२

वज्रबाहु वज्ररोम वज्रनेत्र वज्रदंत वज्रकर कमलआत्मक
रोम भीमकर पिंगलाक्ष उग्रप्रलय कालरौद्र वीरभद्रावता
र सर्भसाल्व भैरव वीरोई [?] लंकापुरीदहन उदधिलंघन
कृतांत संत विश्वास ईश्वरपुत्र वायुसुत अंजनीगर्भसं
भूत उदयभास्कर विंब नरदेवदतनय ऋषिमुनि वंधदं [?]
ती सायुधपासपताकास्त्र [?] ब्रह्मास्त्र वैसवास्त्र [?] नाराय
णास्त्र कालशक्ति कालदंड कालपाश अघोरास्त्रनि
वारणाय पाशुपतास्त्रनिवारणाय नारायणास्त्र वैलवास्त्र [?] नि
वारणाय [illegible] सर्वशक्ति [illegible] पर

हनुमान्
बा०

मार ह०मा०

मंडलपिशाच मंडल उच्चाट नाय ११ अंतर भवादिकज्वर महेश्वरज्वर विष्णु
ज्वर ब्रह्मज्वर विषज्वर शीतज्वर वातज्वर ऐकाहिक द्व्याहिक त्र्याहिक चातु
र्थिक अर्द्धमासिक षड्मासिक सांवत्सरिक वातपित्त श्लेष्मान्तक स
न्निपात कं अंतरगत अपमारी भ्रमं भेदय २ छेदय २ भिन्धि ॐ नमो भ
गवते चिन्तामणि हनुमत अंगशूल शिरशूल अक्षिशूल गुदशूल
जंघशूल पादशूल पित्तशूल स्तनशूल सर्वशूल निर्मूलय २ दान
वदैत्य कामिनी सहित वेताल ब्रह्मराक्षस कोलाहल नागपाश अ
नन्त वासुकी तक्षक कालिन्दी पद्म कुमकुम ज्वर लरोग पामहा
नाग कुलपाश विषनिर्विषं कुरु २ स्वाहा ४ पाताल गरुड हनुम

३

३

पुवेगमनोवेगश्रीरामतारकपरब्रह्मविश्वरूपनिरंजनलक्ष्मणाग्रा
प्रतिष्ठानन्दकरस्थयशजलातिगर्भममम नोमेदिमेदिसर्वशत्रुछे
दि दुदि मम वैरिरिंखादय खादय संजीवनंपर्वतोत्पाटनायडाकिनीग्रा
किनीविध्वंसनीसुग्रीवसंधिकरणानिष्कलिंकितकुमारब्रह्मचा
रीदिगंबरदुःखसर्वपापग्रहकुमारग्रहसर्वछेदयछेदयभेदयभेद
यभिंदिभिंदिखादयखादयॐटकारतोडयतोडयमारयमारयशो
षयशोषयज्वालयज्वालयहारयहारयदेवदत्तनाशयनाशय
अतिशोषयशोषयममसर्वत्ररक्षरक्ष ॐ नमोभगवतेश्रीप्र
तापहनुमंतायहा वीरायसर्वदःखनिवारणायग्रहमंडलभूत